दिनांक: 23 अक्टूबर 2023

सर सैयद अहमद खान

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "सर सैय्यद अहमद खान" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल परीक्षा के "इतिहास और संस्कृति" खंड में प्रासंगिक है।

प्रीलिम्स के लिए:

- *सर सैय्यद अहमद खान और उनके योगदान के बारे में*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- सामान्य अध्ययन *1: इतिहास*

सुर्खियों में क्यों?

- महिला आरक्षण विधेयक का अधिनियमन सर सैयद अहमद खान की 125 वीं जयंती के साथ हुआ, जो मुस्लिम समुदाय के भीतर सामाजिक सुधारों की वकालत करने में अपने प्रयासों के लिए प्रसिद्ध थे।

सर सैयद अहमद खान के बारे में

- सर सैयद अहमद खान (जन्म 17 अक्टूबर, 1817 – 27 मार्च, 1898) एक मुस्लिम शिक्षक, न्यायविद और लेखक, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में एंग्लो-मोहम्मडन ओरिएंटल कॉलेज के संस्थापक और 19 वीं शताब्दी के अंत के दौरान भारतीय इस्लाम के पुनरुत्थान को बढ़ावा देने वाले प्राथमिक प्रेरक कारक थे।

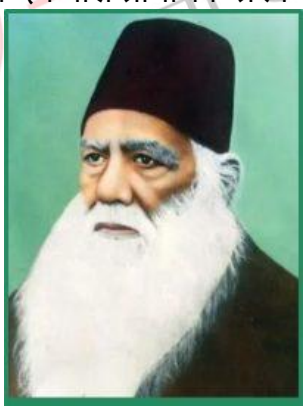

Sir Sayyid Ahmad Khan

उनका राजनीतिक योगदान:

प्रगति के लिए दृष्टि:

- सर सैयद अपने मुस्लिम समुदाय को आगे बढ़ाने और राष्ट्र के आधुनिकीकरण के अपने दृष्टिकोण के लिए जाने जाते थे।
- वह दक्षिण एशिया में मुस्लिम आधुनिकीकरण के लिए बौद्धिक और संस्थागत आधार तैयार करने वाले पहले भारतीय मुस्लिम थे।

साहित्यिक प्रयास:

- उन्होंने 23 साल की उम्र में अपनी साहित्यिक यात्रा शुरू की, 1847 में उल्लेखनीय काम "**महान स्मारक**" **आसार-उस-सनादीद** लिखा, जिसने दिल्ली की प्राचीन वस्तुओं की जानकारी प्रदान किया।

राजनीतिक दृष्टिकोण:

- अपने समय के एक प्रमुख मुस्लिम राजनेता सर सैयद ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को सावधानीपूर्वक अपनाया, मुसलमानों से ब्रिटिश राज की वफादारी से सेवा करने का आग्रह किया।
- इसके साथ ही, उन्होंने ब्रिटिश नीति के कुछ पहलुओं की आलोचना की और सुधारों की वकालत की।

मुसलमानों के लिए शिक्षा:

- सर सैयद अहमद खान अपने साथी मुसलमानों के लिए शैक्षिक अवसरों में सुधार के लिए समर्पित थे।
- उन्होंने मुसलमानों के बारे में ब्रिटिश शासकों की गलत धारणाओं को दूर करने की आवश्यकता को पहचाना।
- उनके **निबंध "भारतीय विद्रोह के कारणों पर निबंध** " ने प्रदर्शित किया कि विभिन्न कारकों, न केवल मुसलमानों ने 1857 के विद्रोह में योगदान दिया।

उनका शैक्षिक योगदान

शैक्षिक सुधारक:

- सैयद अहमद खान ने भारतीय मुस्लिम समाज में अंधविश्वास और अज्ञानता के खिलाफ लड़ाई लड़ी, उनकी प्रगति में बाधा को पहचानते हुए दूर करने का प्रयास किया।
- उन्होंने आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा की वकालत की।

आधुनिक स्कूलों की स्थापना:

- 1859 में, उन्होंने **गुलशन स्कूल की स्थापना की** , जो वैज्ञानिक शिक्षा के साथ पहले धार्मिक स्कूलों में से एक था।
- गाजीपुर में विक्टोरिया स्कूल ने 1863 में आधुनिक शिक्षा पर जोर दिया।

अंतरधार्मिक संबंधों को बढ़ावा देना:

- सैयद अहमद खान ने इस्लाम और ईसाई धर्म के बीच मजबूत अंतरधार्मिक संबंधों को बढ़ावा देने पर काम किया।

अनुवाद समाज और वैज्ञानिक समाज:

- उनकी **ट्रांसलेशन सोसाइटी (1862) ने वैज्ञानिक** यूरोपीय कार्यों का हिंदी और उर्दू में अनुवाद किया, जो अलीगढ़ के वैज्ञानिक समाज में विकसित हुआ।
- इसका उद्देश्य भारतीय मुसलमानों के बीच आधुनिक शिक्षा और पश्चिमी वैज्ञानिक ज्ञान को बढ़ावा देना था।

उर्दू भाषा के वकील:

- 1867 में हिंदी-उर्दू भाषा विवाद में, उन्होंने संयुक्त प्रांत में उर्दू को दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करते हुए भाषा के रूप में वकालत की।
- उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से उर्दू को भी बढ़ावा दिया।

इंग्लैंड में शैक्षिक दृष्टि:

- 1869 की अपनी इंग्लैंड यात्रा के दौरान पुनर्जागरण संस्कृति से प्रेरित, उन्होंने "मुस्लिम कैम्ब्रिज" बनाने की इच्छा व्यक्त **की**।

जर्नल और विश्वविद्यालय:

- 1870 में, उन्होंने सुधारों और आधुनिक जागरूकता को चलाने के लिए "**तहज़ीब-अल-अख़लाक़**" (समाज सुधारक) शुरू किया।
- उन्होंने 1875 में मुहम्मद एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज **की स्थापना की , बाद में** 1920 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय **बन गया।**

महिला सशक्तिकरण पर उनके विचार:

प्रारंभिक विश्वास:

- प्रारंभ में, उन्होंने रूढ़िवादी विचार रखे, महिलाओं की शिक्षा की वकालत की जो पारिवारिक कर्तव्यों पर केंद्रित थी।
- उनका मानना था कि महिलाओं को शिक्षित करना जीवन में उनके प्राथमिक उद्देश्य में बाधा डाल सकता है, जिसे उन्होंने शादी के रूप में देखा।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

संशोधित परिप्रेक्ष्य:

- हालांकि, यूरोपीय महिलाओं को मिली स्वतंत्रता को देखने के बाद, उनका दृष्टिकोण बदल गया।
- उनका मानना था कि मुस्लिम समुदाय के भीतर महिलाओं की शिक्षा की अस्वीकृति ने इसकी गिरावट में योगदान दिया।

महिलाओं की शिक्षा के लिए वकील:

- अपने प्रारंभिक रूढ़िवाद के बावजूद, सर सैयद ने महिलाओं के शिक्षा के अधिकार का दृढ़ता से समर्थन किया।
- उन्होंने तलाक और महिलाओं के अधिकारों पर अन्य मुस्लिम विद्वानों से अलग स्थिति रखते हैं और महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा का जोरदार विरोध किया।

प्रभाव:

- उनके प्रयासों ने भारत की शिक्षा प्रणाली को काफी प्रभावित किया, शिक्षा को लोकतांत्रिक बनाने और इसे यूरोपीय मानकों के साथ संरेखित करने पर जोर दिया।

सर सैयद अहमद खान की 125 वीं जयंती: महिलाओं के अधिकारों पर उनका रिकॉर्ड

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. सर सैयद अहमद खान के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उन्होंने दक्षिण एशिया में मुस्लिम आधुनिकीकरण के लिए बौद्धिक आधार तैयार किया।
2. उन्होंने मुसलमानों से स्वतंत्रता आंदोलन से बचते हुए ब्रिटिश राज की ईमानदारी से सेवा करने का आग्रह किया।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर: (c)

प्रश्न-02. निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. तहज़ीब-अल-अख़लाक़
2. भारतीय विद्रोह के कारण
3. आसार-उस-सनादीद
4. मिरात-उल-अकबर

सर सैयद अहमद खान की उपरोक्त साहित्यिक कृतियों में से कितनी हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) केवल तीन
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (c)

मुख्य परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-03. 19वीं सदी के भारत में सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन में सर सैयद अहमद खान के योगदान का विश्लेषण कीजिए।

युवा संगम

इस लेख में "दैनिक करंट अफेयर्स" और विषय विवरण "युवा संगम" शामिल है। यह विषय संघ लोक सेवा आयोग के सिविल सेवा परीक्षा के "राजनीति और शासन" अनुभाग में प्रासंगिक है।

प्रारंभिक परीक्षा के लिए:

- *युवा संगम क्या है?*
- *एक भारत श्रेष्ठ भारत क्या है?*

मुख्य परीक्षा के लिए:

- *सामान्य अध्ययन- 2: राजनीति और शासन महत्वपूर्ण सरकारी योजनाएं और नीतियां*

सुर्खियों में क्यों?

- हाल ही मेंएक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) के एक घटक, युवा संगम चरण III के लिए पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया गया।

युवा संगम के बारे में:

- युवा संगम भारत के विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के युवाओं के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की एक पहल है।

पात्रता:

- छात्रों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)/नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के स्वयंसेवकों, कर्मचारियों/स्व-रोजगार आदि सहित 18 से 30 वर्ष के बीच के युवा।

प्रमुख बिन्दु-

- ईबीएसबी के तहत शुरू की गई यह योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से प्रेरित है।
- इसका मुख्य फोकस अनुभवात्मक शिक्षा और भारत की समृद्ध विविधता के प्रत्यक्ष प्रदर्शन पर है।
- युवा संगम एक सतत सांस्कृतिक आदान-प्रदान है जो विविधता का जश्न मनाता है, प्रतिभागियों को एक व्यापक अनुभव प्रदान करता है जिसमें मेजबान देश के जीवन, प्राकृतिक परिदृश्य, विकासात्मक मील के पत्थर, हाल की उपलब्धियों और युवा संबंधों के विभिन्न पहलू शामिल हैं।
- युवा संगम का तीसरा चरण भारत के 20 प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों को लक्षित करेगा, जिसमें उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) के प्रतिभागी 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेंगे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत-

- एक भारत श्रेष्ठ भारत भारत में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच आपसी समझ और कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के दौरान इस कार्यक्रम की घोषणा की थी।
- **उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय**, इस योजना को लागू करता है।

इस कार्यक्रम के प्राथमिक उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

- विविधता में भारत की एकता का जश्न मनाने **और हमारे राष्ट्र के लोगों को जोड़ने वाले पारंपरिक भावनात्मक बंधनों को संरक्षित और मजबूत करने के** लिए।
- **केंद्र शासित प्रदेशों की जोड़ी के रूप में जानी जाने वाली अवधारणा के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों** के निवासियों के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने और आपसी समझ को प्रोत्साहित करने के लिए।
- प्रत्येक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश को हर साल दूसरे के साथ जोड़ा जाता है, जिससे लोगों के बीच पारस्परिक बातचीत को बढ़ावा मिलता है। इस आदान-प्रदान से समझ बढ़ने और मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने की उम्मीद है, जो अंततः भारत की एकता और अखंडता को मजबूत करेगा।

स्रोत: pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1968709

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

प्रश्न-01. युवा संगम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह मेरा गांव मेरी धरोहर कार्यक्रम का एक घटक है।
2. इसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के युवा व्यक्तियों के बीच संबंधों को मजबूत करना है।
3. यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 से प्रेरणा लेता है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर: (B)

प्रश्न-02. एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस योजना का उद्देश्य भारत में विविध राज्यों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देना है।
2. संस्कृति मंत्रालय इस योजना को लागू करता है।
3. हर साल, लोगों के बीच बातचीत को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश को दूसरे राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के साथ जोड़ा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) उपरोक्त सभी।
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

उत्तर: (B)

मुख्य परीक्षा प्रश्न

प्रश्न-03. भारत में क्षेत्रवाद की अवधारणा के साथ क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने और प्रबंधित करने के लिए सरकार की पहल की चर्चा कीजिए।

Rajiv Pandey

Yojna योजना है तो स
yojnaias.com